Q. तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति एवं क्षेत्र की विवेचना करो।

Ans: तुलनात्मक राजनीति का अर्थ स्पष्ट करते एडवर्ड. ए० फ्रीमैन ने यह माना है कि तुलनात्मक राजनीति संस्थाओं एवं सरकारों के विविध प्रकार का एक तुलनात्मक विश्लेषण एवं विवेचन है। तुलनात्मक राजनीति आधुनिक राजनीति के परिवर्तित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है। सामान्य तौर पर तुलनात्मक राजनीति का अर्थ विदेशी सरकारों का संवैधानिक अध्ययन है, लेकिन आधुनिक राजनीति शास्त्र संपूर्ण विश्व की राजनीतिक व्यवस्था का विभिन्न पद्धतियों के माध्यम से विश्लेषण करता है।

तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति के संबंध में कुड का यह कथन उल्लेखनीय है कि "इस क्षेत्र के नामकरण में 'तुलनात्मक' शब्द के इस्तेमाल करने का एकमात्र कारण यह था कि इस बात पर बल दिया जाय कि क्षेत्र की राजनीति के प्रति जो जिम्मेदारी है, उसके अनुसार विश्व में विद्यमान राजनीतिक व्यवस्थाओं को राजनीति विज्ञान में सिद्धान्त निर्माण और परीक्षण की सामान्य खोज में तुलना के लिए इकाइयों के तौर पर स्वीकार किया जाये।" इस प्रकार तुलनात्मक राजनीति में विभिन्न राजनीतिक प्रणालियों की संरचनाओं, कार्य विधि, लक्षणों और क्षमताओं इत्यादि का विश्लेषण राजनीति के सामान्य नियमों को ज्ञात करने के लिए किया जाता है।

आधुनिक तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति के संबंध में प्रमुख तथ्य निम्न हैं — यह पश्चिमी, गैर-पश्चिमी और साम्यवादी देशों की संस्थाओं का तुलनात्मक विश्लेषण है। यह विविध राजनीतिक संरचनाओं के साथ साथ अराजनीतिक संरचनाओं और उनके प्रभावों का अध्ययन है। यह राजनीतिक संस्थाओं की अपेक्षा मानव स्वभाव, उसकी परिस्थितियाँ तथा उसके व्यवहार को अधिक महत्व देता है। यह राजनीतिक कार्य-कलाप राजनीतिक प्रक्रिया और राजनीतिक सत्ता का अध्ययन करता है। साथ ही इसके अन्तर्गत विभिन्न राजनीतिक प्रणालियों के मूल्य की तुलना की जाती है।

तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति के संबंध में सामान्य तौर पर दो दृष्टिकोण प्रचलित हैं,

(1) तुलनात्मक राजनीति उद्‌र्वाधर तुलनात्मक अध्ययन

Scanned with CamScanner

है (Comparative Politics is Vertical Comparative Study) – इस धारणा के समर्थक एक ही देश की विभिन्न राजनीतिक इकाईयों एवं प्रशासकीय संस्थाओं की तुलना करने में विश्वास करते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि किसी भी देश में दो प्रकार की सरकार पाई जाती है। राष्ट्रीय सरकार और स्थानीय सरकार। इन दोनों की तुलना करके निष्कर्ष पर पहुँचा जा सकता है। आर्थिक स्रोत, आकार तथा संभावनाओं की दृष्टि से दोनों में अन्तर पाया जाता है। राष्ट्रीय सरकार के नियम और कानून स्थानीय सरकारों की तुलना में अधिक दृढ़ होते हैं तथा उसका पालन भी कठोरता से कराया जाता है। इन असमानताओं के कारण सामान्यीकरण की संभावना इस दृष्टिकोण से नहीं दिखाई पड़ता है। इसलिए तुलनात्मक राजनीति की व्याख्या लम्बात्मक अध्ययन (Vertical Study) के रूप में नहीं हो सकती है।

(2) तुलनात्मक राजनीति अनुप्रस्थीय तुलनात्मक अध्ययन है (Comparative Politics is Horizontal Comparative Study) – अधिकांश राजनीति शास्त्री इस धारणा से सहमत हैं कि तुलना दो प्रकार से हो सकती है। एक ही देश की विभिन्न कालों में विद्यमान राष्ट्रीय सरकार से तथा दूसरे उन राष्ट्रीय सरकारों से जो आज सम्पूर्ण विश्व में विद्यमान हैं।

तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति सम्बन्धी सामान्य धारणा यह है कि समकालीन विश्व में प्रचलित राष्ट्रीय सरकारों का तुलनात्मक अध्ययन है। इसकी वि० प्रकृति की विवेचना से यह स्पष्ट होता है कि तुलनात्मक राजनीति एक स्वतंत्र अनुशासन है जो राजनीति विज्ञान में एक महत्वपूर्ण शाखा बन गया है। ~~Jean Blondel~~ Jean Blondel ने भी इस धारणा का समर्थन किया है तथा बताया है कि तुलनात्मक सरकारों के अध्ययन का हमारे पास केवल एक ही दृष्टिकोण बचता है और वह है – समकालीन विश्व की राजनीतिक व्यवस्थाओं से सम्बद्ध सरकारों का राष्ट्रीय सीमाओं के आर पार अध्ययन करना

Scanned with CamScanner